



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	21-11-24	2	5-8

The Tribune

Workshop for scientists, agricultural officers begins at HAU

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, NOVEMBER 20

A two-day Agricultural Officer Workshop (Rabi)-2024 started at the Agricultural College Auditorium of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) today.

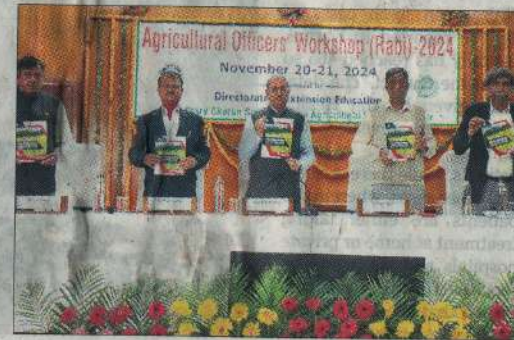
Vice-Chancellor of the university Prof BR Kamboj inaugurated the workshop organised by the Directorate of Extension Education. Scientists of the university and agri-

cultural officers from all districts of the Agriculture and Farmer Welfare Department of the state are participating in the workshop.

Kamboj said the university had been providing crop advisories to farmers, due to which they were getting help in taking decisions related to agriculture. He said new varieties, new techniques and new recommendations as well as future strategies would be discussed in detail during the workshop. He

called upon farmers to cultivate pulses and oilseed crops instead of traditional crops to make the agricultural sector more profitable. He said farmers should be encouraged to cultivate those crops which required less amount of nutrients and water as well as low production cost. He said the paramount objective was increasing agricultural production and farmers' income, besides ensuring food security and limited use of natural resources. He said

the university was working in a planned manner to promote natural and organic farming. He said food grain production in Haryana had increased to 332 lakh metric tonnes during 2023-24, due to which the state had become the second largest contributor to the central pool of the country. He said the increase in food grain production was due to the advanced varieties of seeds developed by the university, modern agricultural technology, etc.



Agricultural Officers' workshop begins on Wednesday.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीन क भास्कर	21-11-24	3	1-4

कार्यशाला • एचएयू वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए करेंगे मंथन हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन में 332 लाख एमटी के साथ दूसरे नंबर पर

भास्कर न्यूज हिंसार

खाद्यान्न उत्पादन में केंद्रीय पूल में हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता राज्य है। वर्ष 2023-24 में हरियाणा में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 332 लाख मीट्रिक टन हो गया है। यह बात एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि कॉलेज सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी 2024 को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा। एचएयू में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी का कारण विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में, आधुनिक कृषि तकनीक के अलावा कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा उन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने से संभव हो सका है। फसल

अवशेष प्रबंधन, फसल विविधिकरण, मृदा स्वास्थ्य व जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग करके फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि से जुड़ी समस्याओं का तत्परता से समाधान करने की आवश्यकता है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित करना होगा। किसानों को उन फसलों की काश्त करने के लिए जागरूक किया जाए जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ उत्पादन लागत कम आए। प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। कुलपति ने कार्यशाला में पिछली खरीफ की कार्यवाही रिपोर्ट पुस्तिका का भी विमोचन किया।



हकूवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

एचएयू के नवीनतम शोध कार्यों की दी जानकारी

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने गत वर्ष विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों के खेतों पर लगाए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी प्रदर्शन प्रक्षेत्र के आंकड़ों की जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ.

राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

ऑनलाइन जुड़े एसीएस एग्रीकल्चर

कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य स कृषि और किसान कल्याण, पशुपालन डेयरी विभाग कुलपति लुवास डॉ. राजा शेखर चुंडरू, आईएएस व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक, आईएएस ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आरएस सोलंकी ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, मेरी फसल मेरा ब्यौरा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक जागरण	21.11.24	4	1-5

कृषि कार्यो संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा हकृवि : कुलपति

जागरण संवाददाता • हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यो संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है, जिसके कारण किसानों को कृषि कार्यो से संबंधित फैसले लेने मदद मिल रही है। वह बुधवार को कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ करने के उपरांत बोल रहे थे। यह दो दिवसीय कार्यशाला विस्तार शिक्षा निदेशालय की तरफ से आयोजित आयोजित की। कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों, और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान कुलपति ने आह्वान किया कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) में पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज, डा. आरएस सोलंकी, डा. राजवीर गर्ग, डा. एसके डांडा व डा. बलवान सिंह मंडल। • जागरण

किया करें। किसानों को उन फसलों की काशत करने के लिए जागरूक किया जाए जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ उत्पादन लागत कम आए। कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि और किसान कल्याण, पशुपालन डेयरी विभाग हरियाणा सरकार व कुलपति लुवास हिसार

डा. राजा शेखर वुंडरू, आइएसएस व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक आनलाइन जुड़े।

कुलपति ने कहा कि कृषि क्षेत्र एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है तथा कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग

करना हमारा सर्वोपरि उद्देश्य है। प्राकृतिक एवं आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर अनुसंधान एवं नई तकनीक पर काम कर रहे हैं व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में हरियाणा में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 332 लाख मीट्रिक टन हो गया है जिसके कारण देश के केंद्रीय पूल में हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधिकरण, मृदा स्वास्थ्य व जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग करके फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि से जुड़ी

समस्याओं का तत्परता से समाधान करने की आवश्यकता है। कुलपति ने कार्यशाला में पिछली खरीफ की कार्यवाही रिपोर्ट पुस्तिका का भी विमोचन किया।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डा. आरएस सोलंकी ने राज्य सरकार की ओर से किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, मेरी फसल मेरा ब्योरा व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने निदेशालय की तरफ से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यो के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	21-11-24	10	1-3

एचएयू वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों की कार्यशाला

फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेंगे मंथन



हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। -हप

हिसार, 20 नवंबर (हप)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस दो दिवसीय कार्यशाला में वैज्ञानिक व

कृषि अधिकारी फसलों की नयी समग्र सिफारिशों पर मंथन करेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है जिसके कारण किसानों को कृषि कार्यों से संबंधित फैसले लेने मदद मिल रही है। कुलपति ने कार्यशाला में पिछली खरीफ की कार्यवाही रिपोर्ट पुस्तिका का भी विमोचन किया।

कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि और किसान कल्याण, पशुपालन डेयरी विभाग, हरियाणा सरकार व कुलपति लुवास, हिसार डॉ राजा शेखर वुंडरू, आईएएस व कृषि

एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक, आईएएस ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.एस. सोलंकी ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, मेरी फसल मेरा ब्यौरा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने मंच का संचालन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर उजाला	21.11.24	2	4-8

जागरूकता

एचएयू के वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की कार्यशाला, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेंगे मंथन, कुलपति प्रो. कांबोज बोले

कम लागत की खेती के लिए आधुनिक तकनीक अपनाएं

माई सिटी रिपोर्ट

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग खेती में अपनाया जाएगा। हमें आधुनिक तकनीकों को कृषि में लाना ही होगा, जिससे खेती में बढ़ती लागत को कम किया जा सकेगा।

किसानों को तकनीक उपयोग करने के लिए प्रेरित करना होगा। किसानों को प्राकृतिक खेती, जहर मुक्त खेती, जैविक खेती की ओर बढ़ना होगा। जिसके लिए कृषि अधिकारियों को अपनी भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि कृषि अधिकारियों के पिछले तीन साल के प्रयास व किसानों की



एचएयू में आयोजित कार्यशाला में पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. कांबोज, डॉ. आरएस सोलंकी, डॉ. बलवान सिंह मंडल व अन्य। स्रोत: संस्थान

जागरूकता का असर रहा कि इस बार गुलाबी सुंडी पर काबू पाया जा सका। गुलाबी सुंडी के नुकसान को लेकर एक रुपया भी मुआवजा नहीं देना पड़ा। वे

विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। विस्तार शिक्षा निदेशालय

की ओर से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में एचएयू के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

प्रो. कांबोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए कृषि अधिकारी किसानों को दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित करें। किसानों को उन फसलों की काश्त करने के लिए जागरूक किया जाए, जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ उत्पादन लागत कम आए।

कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी व प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा उद्देश्य है। वर्ष 2023-24 में हरियाणा में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 332 लाख

मीट्रिक टन हो गया है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधिकरण, मृदा स्वास्थ्य व जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग करके फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि से जुड़ी समस्याओं का तत्परता से समाधान करने की आवश्यकता है।

कुलपति ने कार्यशाला में पिछली खरीफ की कार्रवाई रिपोर्ट पुरस्तिका का विमोचन किया। कार्यशाला में कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू, कृषि विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक ऑनलाइन जुड़े। इस मौके पर डॉ. आरएस सोलंकी, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. राजबीर गर्ग, डॉ. सुनील ढांडा आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	२१-११-२५	११	१-६

कृषि कार्यों संबंधी सलाह लगातार किसानों तक पहुंचा रहा हकृवि

दलहनी व तिलहनी फसलों की खेती के लिए प्रेरित करें : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज हिंसार



हिसार। पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है। इसी कारण किसानों को कृषि कार्यों से संबंधित फसले लेने मदद मिल रही है।

कुलपति प्रो. काम्बोज बुधवार को कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ अवसर पर संबोधन दे रहे थे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के

सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों, और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कुलपति ने आह्वान किया कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए

किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया करें। किसानों को उन फसलों की काश्त करने के लिए जागरूक किया जाए जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ

उत्पादन लागत कम आए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है तथा कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा सर्वोपरि उद्देश्य है। प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर अनुसंधान एवं नई तकनीक पर काम कर रहे हैं व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इन

तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। कुलपति ने कार्यशाला में पिछली खरीफ की कार्यवाही रिपोर्ट पुस्तिका का भी विमोचन किया।

कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू, एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आरएस सोलंकी ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, मेरी फसल मेरा

व्योरा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने मंच का संचालन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सजीत समाचार	21-11-24	5	4-8

विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 20 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है जिसके कारण किसानों को कृषि कार्यों से संबंधित फसले लेने मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कुलपति ने आह्वान किया कि



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया करें। किसानों को उन फसलों की काश्त करने के लिए जागरूक किया जाए जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ उत्पादन लागत कम आए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है तथा कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा सर्वोपरि उद्देश्य है। प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक खेती को

बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर अनुसंधान एवं नई तकनीक पर काम कर रहे हैं व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। कुलपति ने कार्यशाला में पिछली खरीफ की कार्यवाही रिपोर्ट पुस्तिका का भी विमोचन किया। कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि और किसान कल्याण, पशुपालन डेयरी विभाग, हरियाणा सरकार व कुलपति लुवास,

हिसार डॉ राजा शेखर वुंडरू, आईएएस व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक, आईएएस ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.एस. सोलंकी ने राज्य सरकार द्वारा

निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने गत वर्ष विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों के खेतों पर लगाए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन,

एचएसयू वैज्ञानिकों व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेंगे मंथन

किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, मेरी फसल मेरा ब्यौरा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के लिए अति आवश्यक है। इस कार्ड के माध्यम से किसानों को उनकी भूमि की मिट्टी की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए

तकनीकी प्रदर्शन प्रक्षेत्र के आंकड़ों की जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने मंच का संचालन किया।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	21.11.2024	--	--

कार्यशाला 'प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा सर्वापारि उद्देश्य'

विश्वविद्यालय कृषि कार्यो संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है: काम्बोज

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेगे मंथन

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण



विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यो संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है जिसके कारण किसानों को कृषि कार्यो से संबंधित फैसले लेने मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों, और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कुलपति ने आश्वासन दिया कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों

के स्थान पर दलहन एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया करें।

किसानों को उन फसलों की काफ़्त करने के लिए जागरूक किया जाए जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ उत्पादन लागत कम आए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है तथा कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा सर्वोपरि उद्देश्य है। प्राकृतिक एवं अर्गैनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए

विश्वविद्यालय द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर अनुसंधान एवं नई तकनीक पर काम कर रहे हैं व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में हरियाणा में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 332 लाख मीट्रिक टन हो गया है जिसके कारण देश के केंद्रीय पूल में हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी का कारण विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीक के अलावा कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा उन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने से संभव हो सका है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	20.11.2024	--	--

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप

फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेंगे मंथन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है जिसके कारण किसानों को कृषि कार्यों से संबंधित फैसले लेने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों, और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में हरियाणा में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 332 लाख मीट्रिक टन हो गया है जिसके कारण देश के केंद्रीय पूल में हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी का कारण विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीक के अलावा कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा

उन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने से संभव हो सका है। कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि और किसान कल्याण, पशुपालन डेयरी विभाग, हरियाणा सरकार व कुलपति लुवास, हिसार डॉ राजा शेखर वंडरू, आईएएस व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक, आईएएस ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.एस. सोलंकी ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं जैसे मेरा पानी-मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत, मेरी फसल मेरा ब्यौरा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मूदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के लिए अति आवश्यक है। इस कार्ड के माध्यम से किसानों को उनकी भूमि की मिट्टी की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने गत वर्ष विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों के खेतों पर लगवाए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी प्रदर्शन प्रक्षेत्र के आंकड़ों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक चेतना	21.11.2024	--	--

विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंच रहा है: प्रो. वी.आर. काम्बोज

कृषि अधिकारी वर्कशॉप में फसलों की नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेंगे मंथन

हिसार, चेतना संवाददाता। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. वी.आर.



काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंच रहा है जिसके कारण किसानों को कृषि कार्यों से संबंधित फैसले लेने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों, और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य

की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कुलपति ने आह्वान किया कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर दलहन और तिलहन फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया जाए। किसानों को उन फसलों की काश्त करने के लिए

जागरूक किया जाए जिन फसलों में पैपक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ उत्पादन लागत कम आए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है तथा कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा सर्वोपरि उद्देश्य है। प्राकृतिक एवं अर्गैनिक खेतों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर अनुसंधान एवं नई तकनीक पर काम कर रहे हैं व

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अनुसंधान परियोजनाओं व विश्वविद्यालय की सर्वोत्तम तकनीकों पर चल रहे शोध कार्यों के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील शंडा ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	21.11.24	4	6-8

दैनिक भास्कर

**बरसीम की मैस्कावी, बरसीम-1 और 2 किस्मों की करें
बिजाई, 325 क्विंटल प्रति एकड़ तक देती है उत्पादन**
किसानों को बरसीम की बिजाई नवंबर के तीसरे सप्ताह तक पूरी कर लेनी चाहिए

यशपाल सिंह | हिसार

सर्दी के मौसम में बरसीम गुणकारी पशु आहार माना जाता है। मध्यम से भारी मिट्टी बरसीम की फसल के लिए उपयुक्त है। यह फसल लवण सहनशील भी है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मैस्कावी बरसीम की पुरानी किस्म है। यह 4-5 कटाई दे देती है। इसकी औसत पैदावार 250-270 क्विंटल प्रति एकड़ होती है। हिसार बरसीम 1 किस्म 280-300 क्विंटल प्रति एकड़ हरा चारा देती है। यह किस्म तना गलन एवं जड़ गलन रोगों की प्रतिरोधी है। इसके अलावा हिसार

सरसों या चाइनीज कैबेज के साथ बिजाई कर लें अधिक चारा



डॉ. सतपाल ने बताया कि 1 एकड़ के लिए 8-10 किलो बीज पर्याप्त है। काली चींटियों से बचाव के लिए चींटियों के स्थान पर मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूड़े का भुरकाव करें। पहली कटाई से अधिक हरा चारा लेने के लिए बरसीम को जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज के साथ बोएं। मिश्रित फसल में बरसीम के 8 किलो बीज के अतिरिक्त 500 ग्राम जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज बीज 1 एकड़ के लिए काफी है।

बरसीम-2 भी अच्छी गुणवत्ता वाली किस्म है। यह 310-325 क्विंटल प्रति एकड़ हरा चारा देती है। यह किस्म तना गलन एवं जड़ गलन रोगों के प्रति ज्यादा प्रतिरोधी है। बरसीम की बिजाई नवंबर के

तीसरे सप्ताह तक पूरी कर लेनी चाहिए। बरसीम की अधिक बढ़वार व पैदावार लेने के लिए इसके बीज को एक खास किस्म के जीवाणुओं राइजोबियम कल्चर से बिजाई से पहले टीकाकरण करना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	21-11-24	4	5

दैनिक भास्कर

बागवानी टिप्स

झोपड़ी बना बाग में नए पौधों को ठंड से बचाएं, रोशनी का प्रबंध रखें

हिसार | सर्दी के मौसम में बाग में लगाए गए नए पौधों को ठंड व पाले से बचाना अति आवश्यक है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इन पौधों के ऊपर बाजरा या सरकंडे की झोपड़ीनुमा संरचना बनाएं। इसको पूर्व-दक्षिण दिशा में खुला रखें, ताकि उचित मात्रा में सूर्य की रोशनी पौधों तक पहुंच सके। साधारणतः पतझड़ वाले पौधे जैसे अंगूर, आड़ू, अनार, आलूबुखारा आदि की पत्तियां ठंड में सुप्तावस्था में होने के कारण झड़ जाती हैं। पाले से बचाने के लिए बाग की नियमित अंतराल पर सिंचाई करते रहें। रात के पाले से पौधों को बचाने के लिए शाम के समय बाग की सिंचाई अवश्य करें व घास-फूस से धुआं करें।

इन फलों के बाग को ठंड से बचाने के लिए यह करें उपाय नींबू: अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मोटल लीफ: जस्ते की कमी से नींबू वर्गीय पौधों के पत्तों की दोनों ओर की शिराएं सफेद हो जाती हैं। इसकी रोकथाम के लिए दिसंबर में 500 मिलीग्राम प्लांटामाईसिन व 2 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइट का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

आम: मिलीबग के अंडों को खत्म करने के लिए जमीन की निराई-गुड़ाई करें जिससे ये सूर्य की रोशनी के सम्पर्क में आने पर समाप्त हो जाएं या पक्षियों द्वारा खा लिए जाएं। इसके अतिरिक्त 15-20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।

बेर: नवंबर के अंत में फल लगने के बाद एक सिंचाई करें। इसके साथ-साथ आधी बची हुई यूरिया खाद की मात्रा 625 ग्राम प्रति पेड़ डालें। 15-20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। इस माह में 1.5 प्रतिशत यूरिया व 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट का छिड़काव करने से न केवल वानस्पतिक बढ़ोतरी होती है, साथ ही फल, फूल भी कम गिरते हैं। बेर की फसल को मक्खी के प्रकोप से बचाने के लिए 500 मिलीलीटर रोगोर 30 ईसी को 500 लीटर प्रति एकड़ पानी में मिलाकर पेड़ों पर छिड़काव करें।